रामनवमी पर कई स्थानों पर प्याऊ की शुरुआत

▶ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पक्षियों के लिए पानी के पात्र भी रखे

बड़नगर। रामनवमी के शुभ अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम को लेकर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। पक्षियों के लिए जल पात्र भी रखे गए। जल सेवा सबसे बड़ी सेवा है। इसे प्रत्येक व्यक्ति ने करना चाहिए।

उक्त विचार पिठौरा में प्याऊ का शुभारंभ करते हुए जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक रेणुका श्रोत्रिय ने व्यक्त किए। यहां श्रीराम आश्रम जूना अखाड़ा की महंत भवानी गिरीजी ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। पशु पक्षियों के लिए गर्मी के मौसम में जल पात्र प्रत्येक घर, खेत, खलिहान व सार्वजनिक स्थलों पर अवश्य रखें। जनसेवा कार्य निरन्तर कर मानव जीवन को सार्थक करें। इसी तरह ग्राम सुकलाना में पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में मंदिर पुजारी ग्रामीण जन व समिति सदस्यों के साथ प्याऊ का शुभारंभ किया ग्राम। पलदूना में ग्रामीण जनों व समिति सदस्यों ने हर्षित जोशी एवं कृतिका शर्मा के हाथों पूजन अर्चन करवाकर शुभारंभ करवाया।

नवांकुर संस्था के पीयूष शर्मा एवं इंद्र सिंह भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक गांव में वृक्ष व भूमि पूजन की गतिविधियां भी जन जागरूकता के साथ संपादित की गई। मेन्टर आशुतोष शर्मा, जीवन शर्मा ने कहा की ग्राम सनावदा में देवनारायण मन्दिर व फंटे पर प्याऊ लगाई गई।चामला नदी किनारे पर सफाई कर जल संवर्द्धन की शपथ सभी समाज कार्य के छात्र छात्राओं ने ली। यहां प्रस्फुटन समिति द्वारा ग्रामवासियों के साथ मिलकर किए गए पौध रोपण को भी देखा। जन जागरूकता को लेकर गांव में जल संवर्द्धन का संदेश देते हुए रैली भी निकाली। 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण जनों के साथ-साथ घनश्याम चौहान, समंदर सिंह, अखिलेश शर्मा, मुकेश शर्मा, धर्मेंद्र राठौर, बाबूलाल मालवीय, पर्वत लाल मालवीय, राहुल राठौर, कुलदीप सिंह, लाखन सिंह आदि उपस्थित रहे।

खाचरौद में पुस्तकें वितरण समारोह

खाचरौद। श्री राज राजेंद्र जयंतसेन विद्यापीठ में वार्षिक परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के भव्य आयोजन में अकादमिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों ने विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया।

नर्सरी से यूकेजी तक के प्रत्येक विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री राज राजेंद्र शिक्षण समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य वीना कुंदी ने छात्रों की सफलता का श्रेय उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग को दिया। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सुधीर मेहता ने विद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते रहने का संकल्प लिया।

एक नजर में

राम जन्मोत्सव पर मंदिरों में महाआरती का आयोजन

घट्टिया। रामनवमी पर्व शुक्रवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। नगर में मंदिरों में महाआरती का आयोजन किया गया। चार भुजा नाथ मंदिर, बड़ा राम मंदिर, राम हनुमान मंदिर, राम लक्ष्मण सीता मंदिर, लवखेड़ी हनुमानजी व राम दरबार मंदिर पर भगवान का आकर्षक श्रृंगार कर साज सज्जा की गई। मंदिरों में अल सुबह से ही दर्शनार्थियों की भीड़ रही। दोपहर 12 बजे महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

14 को शिप्रा तट रामघाट पर मनेगी सेन जयंती

उज्जैन। संत शिरोमणि श्री सेनजी महाराज की 726वीं जयंती 14 अप्रैल को सर्व सेन समाज द्वारा मनाई जाएगी। रामघाट स्थित श्री सेनजी महाराज मंदिर पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव की तैयारियों को लेकर पशुपतिनाथ मंदिर परिसर (चामुंडा माता मंदिर के सामने) में समाज की बैठक आयोजित की गई। सर्वसेन समाज के अध्यक्ष शिवनारायण झाला, महेंद्र सेन दाऊ व भारत श्रीवास के अनुसार बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ हरिराय वर्मा ने की। इसमें सर्वसम्मति से सेन जयंती महोत्सव समिति का गठन किया गया। समिति में ओमप्रकाश गहलोत को अध्यक्ष, शीतल परमार को सचिव और महावीर सेन को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा महेंद्र निर्माण, आकाश सोलंकी, बसंत सेन, दिनेश छपरवाल व रोहित वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया। सुशील सेन, लाली गंगवाल व पोन्टिंग सेन को सह सचिव, कमलेश गंगवाल, हितेष राठौर व संजय श्रीवास को संगठन मंत्री तथा कुंदन सेन को प्रचार मंत्री का दायित्व सौंपा गया। उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। बैठक का संचालन सुरेश सोलंकी ने किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ शेखर श्रीवास, सुरेन्द्र सेन, रतनलाल वर्मा, सीके सोलंकी, कन्हैयालाल सेन, मोहनलाल वर्मा, उमेश भाटी, लाखन सेन, शरद सेन, निलेश वर्मा, बन्नूलाल सेन, राजेन्द्र कश्यप, अशोक राठौर, राजू वर्मा, सुनील वर्मा, संजय सेन, शिवशंकर वर्मा, मुकेश सेन, अनूप सेन और धर्मेन्द्र खोरिया सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

महाकाल प्रांगण स्थित अति प्राचीन सती माता मंदिर में कन्या पूजन के साथ नवरात्रि पर्व का समापन

उज्जैन। नवसंवत्सर और चैत्र नवरात्रि के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण स्थित अति प्राचीन श्री सती माता मंदिर में नौ दिवसीय विशेष पूजन और अनुष्ठान का समापन हुआ। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी चेतन शर्मा ने सभी देशवासियों को पारंपरिक हिंदू नववर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। पुजारी चेतन शर्मा ने मंदिर के इतिहास और महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि सती माता का यह अति प्राचीन मंदिर पूर्व में महाकाल मंदिर के मुख्य द्वार पर स्थित था, जो अब प्रांगण में स्थित है। यहां माता का विग्रह स्वरूप अंदर से ही प्रकट हुआ है। मंदिर में माता अष्टभुजा के साथ-साथ चारभुजा स्वरूप में भी विराजमान हैं, जिनकी नियमित रूप से विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। परम्परा के अनुसार इस वर्ष भी नवरात्रि के पावन पर्व पर नौ दिनों तक प्रतिदिन माता का विशेष श्रृंगार, पूजन और हवन किया गया। सती माता मंदिर में वर्ष भर की चारों नवरात्रि में कन्या पूजन और भोजन का विशेष आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में, अष्टमी के दिन विश्व कल्याण की कामना से एक महाहवन किया गया, जो परम पूज्य बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। दशमी तिथि पर इस अनुष्ठान का विधिवत समापन कन्या पूजन के साथ हुआ। समापन के अवसर पर छोटी-छोटी कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन प्रसादी ग्रहण कराई गई। इस संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान और कर्म में महाकालेश्वर मंदिर समिति का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। सती माता मंदिर में दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। पुजारी चेतन शर्मा के अनुसार, यहां अष्ट सौभाग्य की प्राप्ति के लिए माता को कुमकुम अर्पण किया जाता है और बाद में उसी कुमकुम का वितरण भक्तों में किया जाता है। इस मंदिर की एक विशेष मान्यता यह भी है कि जो महिलाएं निसंतान होती हैं, उनकी यहां माता के आशीर्वाद से गोद भराई की जाती है, जिससे उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होती है। माता के दरबार में आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

अंतरराष्ट्रीय हिमालयीय समर्पण ध्यानयोग शिविर 31 मार्च से

उज्जैन। श्री शिवकृपानंद स्वामी फाउंडेशन तथा आयुष मंत्रालय द्वारा समर्थित संत गजानन महाराज की पावन नगरी शेगांव में अंतरराष्ट्रीय हिमालयीय समर्पण ध्यानयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 31 मार्च से 2 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से शेगांव के स्व. गजानन दादा पाटील मार्केट यार्ड स्थित कॉटन मार्केट मैदान में सद्गुरु श्री शिवकृपानंद स्वामीजी की उपस्थिति में पूर्णत: नि:शुल्क आयोजित होगा। उज्जैन समर्पण ध्यान सेंटर द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार सद्गुरु शिवकृपानंद स्वामी एक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त ऋषि तथा हिमालयीय समर्पण ध्यानयोग के प्रणेता हैं। सद्गुरु गजानन महाराज का शेगांव स्थित समाधि स्थल स्वामीजी का प्रेरणास्रोत है। गजानन महाराज की कृपा और प्रेरणा से ही स्वामीजी हिमालय गए तथा वहां उन्हें आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई। स्वामीजी ने हिमालय में 16 वर्ष कठोर ध्यान साधना कर 800 वर्ष पुरानी प्राचीन समर्पण ध्यानयोग परंपरा को समाज में पुन: प्रतिष्ठापित किया है। आज इस ध्यानयोग का प्रसार विश्व के 72 से अधिक देशों में हो चुका है। उनके इस वैश्विक कार्य की सराहना करते हुए उन्हें वर्ल्ड मेडिटेशन फाउंडेशन की विश्व मेडिटेशन एक्सपर्ट कमेटी में नियुक्त किया गया है। ध्यान का अर्थ वर्तमान में जीना है। प्रत्येक व्यक्ति का अपना एक आभामंडल होता है, जिसे ध्यान के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। विश्व में हो रही घटनाओं की समग्र स्थिति को देखते हुए 'वसुधैव कुटुंबकम' का विचार स्थापित करना समय की आवश्यकता है।

स्वर्णिम भारत मंच का तीन दिवसीय श्रीराम प्रकटोत्सव उल्लास के साथ मना

उज्जैन। मोक्षदायिनी शिप्रा के तट रामघाट स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राम प्राकट्य उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उत्सव के अंतिम दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक राम स्तुति की और महाआरती के पश्चात कन्या पूजन व विशाल राम प्रसादी (भंडारा) में धर्मलाभ लिया।

स्वर्णिम भारत मंच के दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि रामघाट पर कई वर्षों से ऐसे बड़े आयोजनों का अभाव था। भगवान राम में गहरी आस्था के चलते मंच द्वारा लगातार दूसरे वर्ष इस पुनीत कार्य का सफल प्रयास किया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम अवंतिका नगरी पधारे थे और इसी तट पर उन्होंने पिता दशरथ का पिंडदान किया था। शास्त्रों में उल्लेख है कि यहां रामेश्वर महादेव की स्थापना भी भगवान राम ने स्वयं की थी। इसी पावन स्थल पर स्थित श्रीराम मंदिर के शिखर का जीर्णोद्धार कर यह आयोजन किया गया।

विद्वान आचार्यों ने कराया पूजन, स्वच्छता दूत का सम्मान

यह संपूर्ण आयोजन 21 विद्वान आचार्यों के सानिध्य में संपन्न हुआ। राम स्तुति एवं पूजन रामेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी पं. अम्रतेष त्रिवेदी, पं. रितेश त्रिवेदी, पं. मोहित त्रिवेदी और पं. ऋषभ त्रिवेदी द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर रामघाट पर स्वच्छता को अपना जीवन समर्पित करने वाले मुकेश सारवान का अतिथियों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। आयोजन में महेश पुजारी, अनामिका श्रीवास्तव, आकाश सोनी, अनिल चंदेल, विजेता बारकिया, पूजा त्रिवेदी, श्वेता श्रीवास्तव, विरेन्द्र सिंह ठाकुर, मनीष गहलोत, संदीप व्यास, चेतन श्रीवास्तव, जितेंद्र जेनिवाल, नेहा श्रीवास्तव, वर्षा श्रीवास्तव, पूनम व्यास और मीनाक्षी शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज विनोदे ने किया।

तीन दिन तक चले विविध धार्मिक अनुष्ठान: मंच के पुष्पेंद्र बारकिया ने बताया कि उत्सव के प्रथम दिन स्वस्तिवाचन के साथ मां शिप्रा का पूजन-अर्चन और दूसरे दिन सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तीसरे दिन रामनवमी पर सैकड़ों रामभक्तों ने सामूहिक राम स्तुति की। पुरोहित रितेश गुरु ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि जहां स्वयं प्रभु राम के चरण पड़े थे, उसी पावन रामघाट पर रामनवमी के दिन कन्या पूजन व प्रसादी का सफल आयोजन हुआ।

आंजना समाज के रामनवमी उत्सव में कार्यकारिणी घोषित

महिदपुर। आंजना समाज धर्मशाला महिदपुर में भगवान श्रीराम व समाज के संत श्री श्री 1008 राजाराम जी महाराज का जन्मोत्सव का कार्यक्रम 28 मार्च 2026 शनिवार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में आंजना समाज विकास समिति के अध्यक्ष सेवाराम पटेल नारायणा धाम के माध्यम से कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसी के साथ समाज के दानदाताओं ने 562200 की नकद राशि भेंट कर सामाजिक विकास की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में भगवान श्रीराम एवं श्री श्री 1008 राजारामजी महाराज की आरती के पश्चात सामाजिक लोगों ने सहभोज किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अंतर सिंह आंजना ने किया एवं आभार पटेल सेवाराम आंजना नारायणा धाम वालों ने माना। जानकारी मनोहरसिंह आंजना गोगाखेड़ा नें दी।

अलखधाम नगर में धूमधाम से निकली सांई बाबा की शाही पालकी

उज्जैन। श्री साईं बाबा मंदिर स्थापना दिवस एवं राम नवमी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम संयोजक श्री साई सेवा समिति एवं दीपक बेलानी मित्र मंडली द्वारा अलखधाम नगर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी साईं बाबा की भव्य शाही पालकी यात्रा निकाली गई। शुक्रवार को सांध्य आरती के पश्चात साईं मंदिर प्रांगण से पालकी का शुभारंभ हुआ। पालकी शास्त्री नगर, सिंधी कॉलोनी और अलखधाम नगर होते हुए रात्रि 9 बजे वापस मंदिर पहुंची।

पालकी यात्रा का सिंधी कॉलोनी में संतोष लालवानी मित्र मंडली द्वारा भव्य मंच बनाकर और आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। अलखधाम नगर में घर-घर बाबा के दर्शन हुए व भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही और धूमधाम से साईं बाबा की पालकी में नाचते हुए स्वागत व अभिनंदन किया गया। पालकी शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी नारायण यादव और नगर निगम सभापति कलावती यादव ने आरती की। विशेष अतिथि के रूप में साईं मंदिर ट्रस्टी ओम बंसल, अनूप सिंघल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल जाटव, उज्जैन नगर महामंत्री कमल बेरवा, मंडल महामंत्री संतोष खोईवाल, घनश्याम बाबा राठौर, पूर्व पार्षद रिंकू बेलानी और पार्षद दिव्या बलवानी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में साईं सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश परवाल, सचिव हेमेन्द्र खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष संजय सोडाणी, मंदिर के प्रमुख सत्यनारायण शर्मा, बहादुर सिंह राठौड़, हरीश देवनानी, विनोद लुल्ला, कपिल खत्री, बबलू खत्री, मोहनलाल शाह, सुरेश सोलंकी, आरसी परिहार, पियुष मालवीय, गोपाल बलवानी, सुरेंद्र मालवीय, अनिल सिंह राजपूत और कपिल नागर उपस्थित रहे। आयोजन में विशेष सहयोगी समाजसेवी महेश परियानी, संतोष लालवानी, रमेश गजरानी, महेश गंगवानी, भरत पोरवाल, मनोज दुधवानी सहित समस्त मित्र मंडली का सहयोग रहा। मातृशक्ति व अन्य श्रद्धालुओं में नीलम उथरा, संतोष, संजू, पीयूष वाधवानी और अंजलि सीतलानी सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।

वल्लभ वैष्णव मंडल की आठ दिवसीय चम्पारण-जगन्नाथ दर्शन यात्रा शुरू

▶ 251 श्रद्धालु हुए रवाना, चम्पारण में भव्य चवरी मनोरथ और पुरी में करेंगे दर्शन

उज्जैन। वल्लभ वैष्णव मंडल, वल्लभ वैष्णव महिला मंडल एवं युवा मंडल के तत्वावधान में 251 वैष्णवों की आठ दिवसीय चम्पारण-जगन्नाथ दर्शन यात्रा शनिवार को प्रारंभ हुई। मंडल के संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर के नेतृत्व में श्रद्धालु दोपहर 4 बजे उज्जैन से रायपुर के लिए रवाना हुए। यात्रा 28 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक चलेगी।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि 29 मार्च को रायपुर से श्रद्धालु बस द्वारा चम्पारण पहुंचेंगे, जहां सुदामाकुटी में आवास रहेगा। इस दौरान बैठकजी दर्शन, राजभोग, शोभायात्रा, भव्य चवरी मनोरथ (विवाह मनोरथ), गौ सेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। 30 मार्च को झारी चरण-स्पर्श और नंद महोत्सव मनोरथ के पश्चात यात्रा बस और रेल मार्ग से जगन्नाथ पुरी के लिए प्रस्थान करेगी। 31 मार्च को पुरी पहुंचने पर श्रद्धालु जगन्नाथ मंदिर दर्शन, बैठकजी दर्शन व झारी चरण स्पर्श कर समुद्र तट एवं पुरी भ्रमण करेंगे। 1 अप्रैल को भुवनेश्वर, कोणार्क और साँक्षी गोपाल आदि स्थानों का भ्रमण कर यात्रा वापसी के लिए प्रस्थान करेगी। 3 अप्रैल को सुबह देवास पहुंचने के पश्चात सभी यात्री बस द्वारा उज्जैन लौटेंगे।

इन पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में हो रही यात्रा: यात्रा के सफल संचालन के लिए विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। इनमें अध्यक्ष आनंद पुरोहित, अमित नागर व नुपुर नीमा, कोषाध्यक्ष मनीष नागर, नीतिन नीमा व कामिनी शाह, सचिव जयेश श्रॉफ, अमर दिसावल व मनीषा नागर, समन्वयक राजेन्द्र शाह, विशाल नीमा व हेतल शाह तथा यात्रा संयोजक श्याम माहेश्वरी, रमेश चतुर्वेदी, राजेन्द्र शाह और दीपक राजवानी शामिल हैं।

एक नजर ▶ खंडेलवाल वैश्य पंचायत ने 'समाज रत्न' सम्मान से किया समाजसेवियों को सम्मानित, युवाओं को दी शॉर्टकट से बचने की सलाह

संत शिरोमणि 1008 सुंदरदासजी महाराज की 430वीं जयंती पर निकला ध्वज चल समारोह

उज्जैन। राष्ट्रीय संत शिरोमणि 1008 सुंदरदास जी महाराज के 430वें जन्मोत्सव पर खंडेलवाल वैश्य पंचायत उज्जैन द्वारा ध्वज चल समारोह निकाला गया।

सर्वप्रथम समाजजनों की उपस्थिति में संरक्षक सिद्धेश्वर दास, अध्यक्ष गोविंद खण्डेलवाल, सचिव अनिल सामरिया, कोषाध्यक्ष गुलशन नाटाणी, उपाध्यक्ष राजेंद्र झालानी, सहसचिव मनीष खंडेलवाल, समन्वयक राजेंद्र सोखिया, उत्सव प्रभारी देवेन्द्र जंघिनिया, भवन व्यवस्था प्रभारी मनीष मेहरवाल, मीडिया प्रभारी अर्पित गुप्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र गुप्ता व अनिल गुप्ता सहित मनोनीत सदस्यों संध्या बैवाल, डिंपल रावत, गुंजन झालानी, सुनील झालानी, प्रवीण खंडेलवाल, सुशील समरिया, प्रदीप डंगायच, दिलीप पाटोदिया, नीरज बड़ेरा एवं शुभम सामरिया ने निशान पूजन कर ध्वज की स्थापना की। इसके पश्चात संत व ठाकुर जी की आरती की गई।

शहर के प्रमुख मार्गों से निकला चल समारोह: आरती के बाद खण्डेलवाल वैश्य पंचायत भवन बुधवारिया से चल समारोह प्रारंभ हुआ। यह गीता कॉलोनी चौराहा, निकास चौराहा, तेलीवाड़ा चौराहा और गोंदा चौकी होते हुए पुन: पंचायत भवन पहुंचा। यहां मुख्य अतिथि मनीष खंडेलवाल (बाजरगान परिवार आगर वाले) का विशिष्ट स्वागत पंचायत द्वारा किया गया।

युवाओं को दी शॉर्टकट से बचने की सलाह: स्वागत उद्बोधन में संस्था अध्यक्ष गोविंद खण्डेलवाल ने संत के दोहों का जीवन में अनुसरण करने पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि का परिचय कोषाध्यक्ष गुलशन नाटाणी ने दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि मनीष खंडेलवाल ने समाज की गतिविधियों की सराहना करते हुए विशिष्ट आर्थिक प्रोत्साहन की घोषणा की। उन्होंने युवाओं को जीवन में शॉर्टकट के माध्यम से धनार्जन न करने की सलाह दी।

तीन वरिष्ठों को 'समाज रत्न' सम्मान : इस अवसर पर समाज के तीन वरिष्ठ एवं विशिष्ट समाजसेवियों हनुमान प्रसाद रावत, रमेश मानकबोहरा एवं एनएल गुप्ता को जीवनपर्यंत सामाजिक सेवा के लिए 'समाज रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान पत्र का वाचन पंचायत के जनसंपर्क एवं मीडिया प्रभारी अर्पित गुप्ता ने किया।

▶ विभिन्न उपसंस्थाओं का किया सम्मान

कार्यक्रम में खंडेलवाल वैश्य पंचायत की सभी उपसंस्थाओं को उनकी निरंतर समाजहितैषी गतिविधियों में सहयोग के लिए आभार एवं प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया। इनमें खंडेलवाल एक्टिविस्ट से राजेंद्र सोखिया व प्रदीप डंगायच, खंडेलवाल युवा परिवार से शुभम सामरिया व मयंक मामोडिया, खंडेलवाल क्रिएटिव ग्रुप से नीरज बड़ेरा व लोकेश नाटाणी, खंडेलवाल प्रगति मंडल से प्रवीण खण्डेलवाल व प्रकाश गुप्ता, खंडेलवाल महिला मंडल से संध्या बेवाल व मधु सोखिया, खंडेलवाल लेडीज विंग से डिम्पल रावत व आशा बेवाल, खंडेलवाल क्वींस क्लब से गुंजन झालानी व रुचिता रावत, खंडेलवाल मित्र परिषद से धर्मेंद्र गुप्ता व महेश बड़ेरा, खण्डेलवाल युगल बीसी से एनएल गुप्ता व सत्यनारायण नाटाणी, खंडेलवाल सोशल ग्रुप से राजेश कुलवाल व रूपेश बूसर और खंडेलवाल आनंद परिषद से अशोक माचीवाल व राजेश गोलियां का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष राजेंद्र झालानी ने किया तथा आभार सचिव अनिल सामरिया ने माना। कार्यक्रम के पश्चात महाप्रसादी सहभोज आयोजित हुआ।